

असाधाररण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

## प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

इस भाग में भिल्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह जलग संकलम के रूप में रखा का सके

beparate Paging is given to this Part in order that it may be fited as a separate compilation

विधि, न्याय और कंपनी कार्य संज्ञालय

(विधायी विभाग)

## अधिस्चना

नई विल्ली, 13 अप्रैल, 1984

का. आ. 307(अ). — लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 12 के अधीन जारी की गई अधिमूचना सं. का. का. 157 (अ), तारीख 12 मार्थ, 1984 के अनुसरण में, मेघालय राज्य की विधान सभा के निवांचित सबस्यों द्वारा निवांचित राज्य सभा के एक सबस्य के, जो अपनी पदावधि की समाप्ति पर 12 अप्रैल, 1984 को पद से निवृत्त हो गया था, स्थान को भरने के प्रयोजन के लिए निवांचन कराया गया है;

अतः, अब लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की भारा 71 के अनुसरण में, मेघालय राज्य की विभान सभा के निर्वाचित सदस्यों द्वारा निर्वाचित सदस्यों द्वारा निर्वाचित सदस्यों द्वारा निर्वाचित सदस्य का नाम सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है:—

ऋम सं. सदस्य का नाम

1. श्री जेरलाई इ. तारियंग

[फा. सं. 13(2)/84-वि. 2]

रु. वेंकट सूर्य पीर शास्त्री, सिचव

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Legislative Department)

## **NOTIFICATION**

New Delhi, the 13th April, 1984

S.O. 307(E).—Whereas election has been held in pursuance of notification No. S.O. 157(E), dated the 12th March, 1984, issued under section 12 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951), for the purpose of filling the seat of member of the Council of States elected by the elected members of the Legislative Assembly of the State of Meghalaya who retired on 12th April, 1984, on the expiration of his term of office;

Now, therefore, in pursuance of section 71 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951), the name of the member elected by the elected members of the Legislative Assembly of the State of Meghalaya is hereby notified for general information:—

Serial Number

Name of Member

1.

Shri Jerlie E. Tariang

[F. No. 13(2)]84-Leg. II] R. V. S. PERI SASTRI, Secy.